नईदुनिया

पशु आहार में मिलावट, बिगड़ रहा मवेशियों के स्वास्थ्य

Publish Date: | Thu, 09 Apr 2020 11:41 PM (IST)

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

लॉकडाउन में पशुओं के आहार को लेकर दिक्कतें शुरू हो गई हैं। आवक कम होने के कारण पशु आहार में मिलावट का खेल शुरू हो गया है। इससे मवेशियों का स्वास्थ्य खराब होने लगा है। सूत्रों का कहना है कि मोटे मुनाफे के चक्कर में कई फैक्ट्री संचालक घटिया और मिलावटी कैटल फीड बाजार में सप्लाई कर रहे हैं। ऊपर से पशु आहार के दाम भी बढ़ा दिए हैं। 50 किलो खली, चूनी के दामों में सौ से डेढ़ सौ रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। पशुपालक चिंतित हैं कि वे क्या करें, क्योंकि लॉकडाउन में गांव से बाहर जाना नहीं हो पा रहा है। गर्मी शुरू होने से चारे की दिक्कत भी बढ़ गई है।

चने की चूरी में मिलावट

चने की चूरी में मक्के का आटा, मटर की दाल, दो रुपये किलो बिकने वाला गंदा खड़ा नमक, धान का पीसा छिलका, हल्दी की जगह रंग आदि मिलाया जाता है। दिखावे के लिए चावल की कनकी, चने के छिलके को डालकर 50 किलोग्राम की पैकिंग में सप्लाई की जा रही है। कई फैक्ट्रियां ऐसी हैं, जिनके उत्पाद का ब्रांड नेम ही नहीं है।

दूध कम देने लगे मवेशी

पशु आहार में मिलावट से मवेशियों की तबीयत खराब हो रही है, इससे दूध का उत्पादन कम हो रहा है। धमतरी के पशुपालक सूरज चंदेल ने बताया कि उसकी गाय के सुबह-शाम मिलाकर लगभग 15 लीटर दूध देती थी, लेकिन अभी मात्र 10 लीटर दे रही है। पशु चिकित्सक पदम जैन का कहना है कि मवेशियों को सही चारा नहीं मिलेगा। तो उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। दुधारू पशुओं का दूध कम हो जादा है, पतला गोबर, बुखार आदि समस्या होती है।

चोकर की सप्लाई नहीं

पशुपालकों का कहना है कि मोटा चोकर में धान की भूसी अधिक मात्रा में मिलाई जा रही है। महीन चोकर को पशु खाते नहीं। चारे की दिक्क्त होने के कारण मजबूरी में इसे देना पड़ रहा है। जो पैरा कुट्टी मिल रही है, उसमें भी पानी मिला दिया जा रहा है। दस घंटे से अधिक समय तक बोरे में बंद रखने पर पैरा कुट्टी काली पड़ जाती है। इससे पशुओं का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। ज्ञात हो कि चोकर की सप्लाई राजधानी में आसपास के कई जिलों और पड़ोसी राज्यों में भी होती है, जो फिलहाल ठप है।

पशु आहार के दाम (लगभग)

सामाग्री पहले अब

-पैरा कुट्टी .. 6 रुपये 12 रुपये प्रति किलो

-चोकर 1000 रुपये 1150 रुपये (50 किलो)

-चूनी 950 रुपये 1100 रुपये (50 किलो)

-खली 1050 रुपये 1200 रुपये (50 किलो)

-पशुहार 750 रुपये 950 रुपये (45 किलो)

-भूसा 150 रुपये 250 रुपये (45 किलो)

Source: https://www.naidunia.com/chhattisgarh/raipur-adulteration-in-animal-feed-deteriorating-health-of-cattle-5454890